

प्रेषक,

डॉ. राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 26 मार्च, 2009

विषय: निरंजनी अखाड़े के सामने गणेश घाट के प्लेटफार्म को ऊँचा करके पक्के घाट के निर्माण कार्य हेतु द्वितीय व अन्तिम किश्त की धनराशि के व्यय की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1409/IV(2)/2008-50(कुम्भ)/2008 दिनांक 24.10.2008 का संदर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा अधिशासी अभियंता, सिंचाई खण्ड, हरिद्वार द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 242.61 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 240.04 लाख लाख की प्रशासकीय स्वीकृति देते हुए, वित्तीय वर्ष 2008-09 में रु. 120 लाख (रु. एक करोड़ बीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। तत्क्रम में आपके पत्र संख्या 982/कु.मे./ले.अनुभाग/उपयोगिता प्रमाणपत्र दिनांक 13.01.2009 एवं पत्र संख्या 1300/कु.मे./सि.वि./गणेश घाट दिनांक 24.02.2009 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उक्त कार्य हेतु न्यूनतम टैण्डर के अनुसार प्राप्त रु. 158.99 लाख की दर में पूर्व स्वीकृत रु. 120 लाख को कम करते हुए स्वीकृति हेतु अवशेष रु. 38.99 लाख (रु. अड़तीस लाख निन्यानबे हजार मात्र) को भी वित्तीय वर्ष 2008-09 व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि अन्तिम किश्त के रूप में अवमुक्त की जा रही है एवं इसके उपरान्त इस कार्य हेतु कोई और धनराशि स्वीकृत नहीं की जाएगी।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दो बराबर किश्तों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही दूसरी किश्त का कोषागार से आहरण किया जाएगा।
3. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाए। इसके लिए यथाआवश्यकता, निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए।
4. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2009 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
6. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
7. शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध उक्त शासनादेश दिनांक 23.8.2008 के अनुसार लागू रहेंगे।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के 'अनुदान संख्या-13' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 1092/XXVII(2)/2008 दिनांक 25 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

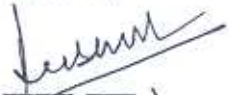
(डॉ. राकेश कुमार)
सचिव।

संख्या : ५०४ (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 26/3/09

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियंता, सिंचाई खण्ड, हरिद्वार।
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से,


(सुमेश चन्द्र)
अनुसचिव।